2019

HINDI

(Major)

Paper : 5.1

(Hindi Ka Upanyas Sahitya)

Full Marks : 60

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए : 1×7=7

(क) 'परीक्षागुरु' उपन्यास के लेखक कौन हैं?

(ख) 'कर्मभूमि' का प्रकाशन-काल क्या है?

(ग) देवकीनंदन खत्री कृत किसी एक उपन्यास का नाम लिखिए।

(घ) 'सुनीता' उपन्यास के उपन्यासकार कौन हैं?

(ङ) कुमारगिरि किस उपन्यास का पात्र है?

(च) 'चित्रलेखा' उपन्यास के नायक कौन हैं?

(छ) अमरकांत कौन है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×4=8

(क) द्विवेदी युग के किन्हीं दो उपन्यासकारों के नाम लिखिए।

(ख) फणीश्वरनाथ 'रेणु' के किन्हीं दो उपन्यासों के नाम लिखिए।

(ग) सुखदा और सकीना किस उपन्यास के नारी पात्र हैं?

(घ) "प्रेम स्वयं एक त्याग है, विस्मृति है, तन्मयता है। प्रेम के प्रांगण में कोई अपराध ही नहीं होता, फिर क्षमा कैसी। फिर भी तुम कहलाना ही चाहते हो तो मैं कहे देता हूँ—मैं तुम्हें क्षमा करता हूँ।" उक्त कथन किसका और किससे है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर संक्षेप में दीजिए : 5×3=15

(क) सामाजिक उपन्यासों की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) 'कर्मभूमि' उपन्यास की समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'चित्रलेखा' उपन्यास के नामकरण की सार्थकता पर विचार कीजिए।

(घ) "मनुष्य परिस्थितियों का दास है। उसका कर्तव्य कर्म करना है, फल की आशा रखना नहीं।" इस कथन की समीक्षा कीजिए।

(ङ) जैनेन्द्र के साहित्यिक योगदान पर प्रकाश डालिए।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

वीरों के आँसू बाहर निकलकर सूखते नहीं, वृक्षों के रस की भाँति भीतर ही रहकर वृक्ष को पल्लवित और पुष्पित कर देते हैं।

अथवा

संसार में इसीलिए पाप की परिभाषा नहीं हो सकी और न हो सकती है। हम न पाप करते हैं और न पुण्य करते हैं। हम केवल वह करते हैं, जो हमें करना पड़ता है।

5. "'चित्रलेखा' समस्या-प्रधान उपन्यास होते हुए भी चरित्र-प्रधान उपन्यास है।" इस कथन की तर्कसंगत विवेचना कीजिए। 10

अथवा

"सुखदा सुख की सेज पर सोती ही नहीं, काँटों की राह पर चलना भी जानती है।" इस कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए।

6. प्रेमचंदोत्तर हिन्दी उपन्यास की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके तत्त्वों पर विचार कीजिए।

★★★